kissekahani.com

WALT DISNEY

# अंकल स्क्रूज

# सोने की नौकरानियां

kissekahani.com

kissekahani.com

यहां काम चार आदमियों का करता हूं और तनख्वाह मिलती है आधे की!
दौलत का गोदाम

काम के हिसाब से तनख्वाह दीजिए... पैसे बढ़ाइए और छुट्टी के दिन के भी पैसे दीजिए...
क्या?!

शायद मैंने गलत सुना! अब फटाफट बढ़िया चाय पिला...
नहीं! मेरी शर्तें नहीं मानेंगे तो मैं अदालत का दरवाजा खटखटाऊंगा...

क्या? मैं तुझे इतना चाहता हूं... फिर भी...!
अब इन बातों का मुझपर कोई असर नहीं होनेवाला!

एहसानफरामोश! दफा हो जा! तेरे बिना मेरा काम नहीं रुकेगा.
तो मेरा इस्तीफा मंजूर?
ह्यूश!

और फिर, बिना भप्पी के अंकल स्क्रूज...
हीरे? खरीद लो! क्या कहा? वे मेरे ही हैं? तो बेच दो!
आया भाई, आया...
ट्रन्नऽऽऽ!
हाय...! इतने सारे पत्र कैसे पढ़ूं.?
सारे

हाय...! मुझे भप्पी की मांगें मान लेनी चाहिए थीं!

नहीं! अगर मैं उसके आगे झुक जाता, तो वह सिर पर चढ़ जाता!
पत्र

वैज्ञानिक गीयरलूज से सलाह लेता हूं...! शायद मेरी कुछ मदद कर सके!

हां, मेरे पास सारे काम करनेवाला एक रोबोट है
हे भगवान!
जाइरो गीयरलूज, महान आविष्कारक

नहीं भाई, मैं दोबारा ऐसे मशीनी मानव को घर नहीं ले जानेवाला!

पिछली बार जिस तरह उसने मेरा सोना हजम किया, मैं भूला नहीं!
कटर! कटर!

माना, मेरे रोबोटों में कुछ कमियां हैं, मगर मैं कोई वल्कन तो हूं नहीं!
यह वल्कन कौन है?

वल्कन आग का देवता था... उसने सोने कि बेहतरीन नौकरानियों की रचना की थी!
सोने की...? पूरी कहानी बताओ!

आपकी इसमें इतनी दिलचस्पी क्यों?
सोने से संबंधित हर बात में मेरी दिलचस्पी है!

'ठीक है! तो रोमन पुराण कथाओं के अनुसार वल्कन अग्निदेव था. वह बृहस्पति देवता जियस का बेटा था और सर्वश्रेष्ठ लोहार भी था. अपने कारखाने में वह लगातार २४ घंटे काम करता था...'
धौंकनी और तेज चलाओ...
ठ्याक! ठ्याक!
फुफ!
हम्फ! हम्फ!
छिस्सऽऽऽ!

बेवकूफ, सौंदर्य देवी की कितनी बदसूरत मूर्ति बनाई है तूने!
इसमें क्या खराबी है, मालिक?

इसकी नाक ठीक नहीं है! डेढ़ सेंटीमीटर लंबी है! चल, ठीक कर उसे!
मगर, मालिक, मैं बेहद थका हुआ हूं!
और सुनो, तुम्हारे इस लहरदार तीर की नोक पैनी नहीं है.
तुम सब अव्वल दरजे के आलसी और कामचोर हो!
हमें नहीं करना आपका काम.
एक तो घंटों लगातार काम करते रहो ऊपर से फालतू में डांट खाओ!
दफा हो जाओ! मैं तुमसे अच्छे और सस्ते नौकर ढूंढ़ लूंगा!
'मगर...'
कमाल है! लोहार का काम करने में किसी की दिलचस्पी नहीं है!

क्यों न कुछ नौकर खुद ही तैयार कर लूं!
आखिर मैं ठहरा देवता! इस सोने की सिल्ली पर अभी काम शुरू करता हूं...
सर्रर्र!
'वल्कन ने आग की मदद से लंबे समय तक दिन-रात मेहनत की... आखिर...'
गरड़! गरड़!
ज्वालामुखी फिर आग और धुआं उगल रहा है...
वल्कन जरूर कोई बड़ा काम कर रहा है...!

kissekahani.com

...विशेष रूप से अग्निदेव वल्कन की, जो लोहार भी था!
जरूर दाल में कुछ काला है!

कैसे हो, डॉनल्ड? चूंकि तुम खाना खा रहे हो, इसलिए मैं भी खाने का निमंत्रण स्वीकार करता हूं!
मैं जानता था!

मैंने कई किताबें पढ़ीं और इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि उनका अस्तित्व है...
किनका?

अग्निदेव वल्कन की नौकरानियों का!
झूठ!

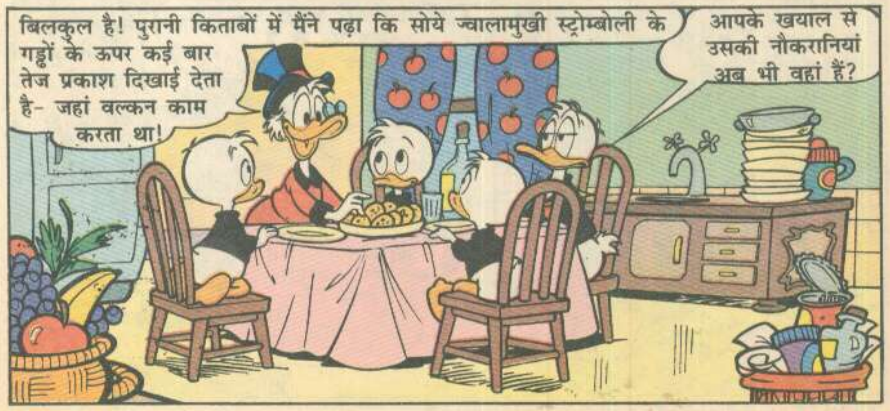
बिलकुल है! पुरानी किताबों में मैंने पढ़ा कि सोये ज्वालामुखी स्ट्रोम्बोली के गड्ढों के ऊपर कई बार तेज प्रकाश दिखाई देता है- जहां वल्कन काम करता था!
आपके खयाल से उसकी नौकरानियां अब भी वहां हैं?

बिलकुल! मेरे खयाल से वे एक प्रकार की रोबोट हैं जो किसी भी तरह का काम कर सकती हैं! अब जल्दी से सफर पर चलो!
उफ!

बाप रे! कितना गरम है!
यह किस्मत का इशारा है- आनेवाले हालात इतने ही गरम होंगे!

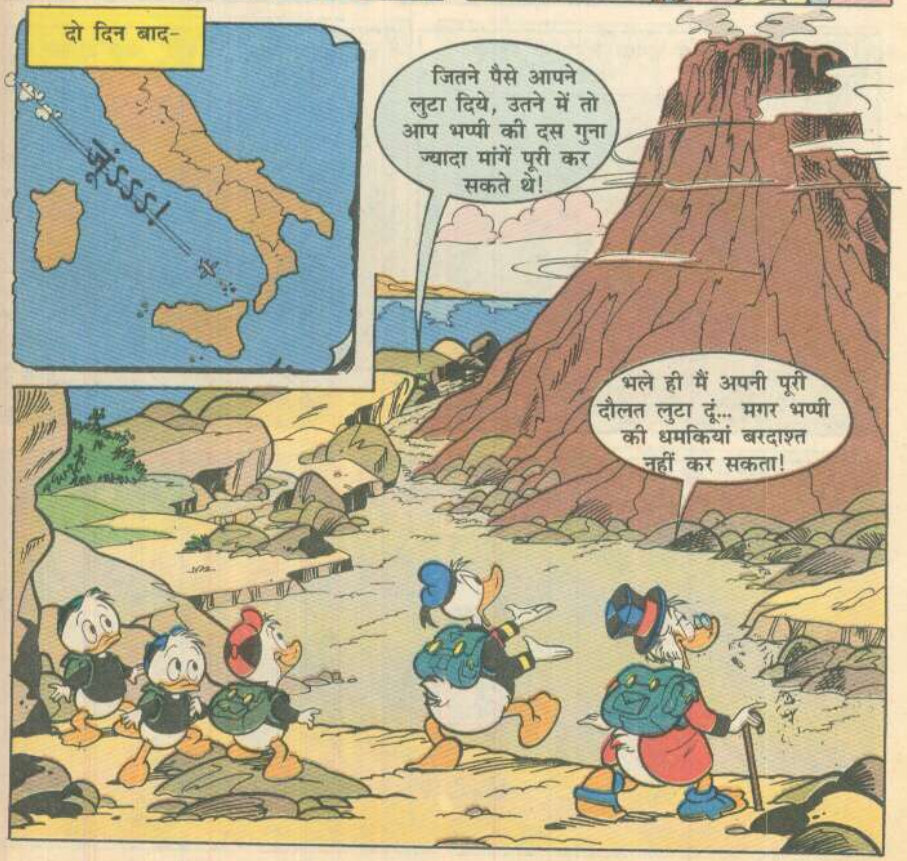
दो दिन बाद-
जूंऽऽऽ!
जितने पैसे आपने लुटा दिये, उतने में तो आप भप्पी की दस गुना ज्यादा मांगें पूरी कर सकते थे!
भले ही मैं अपनी पूरी दौलत लुटा दूं... मगर भप्पी की धमकियां बरदाश्त नहीं कर सकता!

नये जोश के साथ बढ़ो, डॉनल्ड! यदा-कदा अपनी नौकरानियां मैं तुम्हें भी उधार दे दिया करूंगा!
गर्रर्र... बड़ी मेहरबानी!

काफी देर बाद-
मेरी दुम कितनी दुख रही है! कहीं ऐसा ज्वालामुखी के भीतर की गरमी की वजह से तो नहीं?
चबड़-चबड़!

हे भगवान! जंगली पहाड़ी बकरा!

अरे, इतनी जल्दी भी क्या है?
पीछे देखिए, खुद जान जाएंगे!
सर्रर्र!

हे भगवान! यह खतरनाक बकरा यहां कैसे आ मरा?
और आपकी बदौलत हम यहां मरने क्यों आए?
म्मैंऽऽऽ

हे भगवान! अब क्या करूं?
मीठी-मीठी बातें करके देखो!
बचाओ! बचाओ!

हे-हे! प्यारे बकरे, आओ, मैं तुम्हें सहला दूं!

कड़ड़!
धम्म!
हाय! लगता है अंकल की हड्डी-पसली एक हो गयी!
चलो, उनकी मदद करें!

हुर्रे! अ-आऽऽह...आऽऽह! जो चाहा, मिल गया!
समझ नहीं आता! हमें इतनी चोटें लगी हैं, फिर भी ये खुशी से चिल्ला रहे हैं!

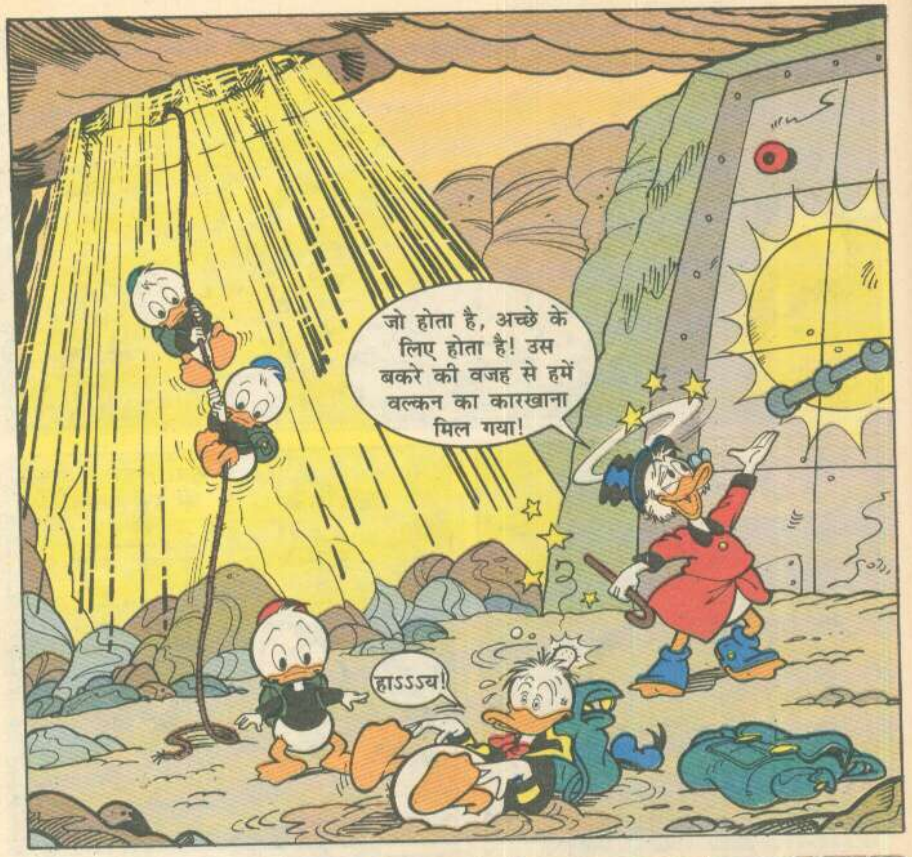
जो होता है, अच्छे के लिए होता है! उस बकरे की वजह से हमें वल्कन का कारखाना मिल गया!
हाऽऽऽय!

उफ! मुझसे दरवाजा नहीं खुल रहा!

अरे! यह क्या...?



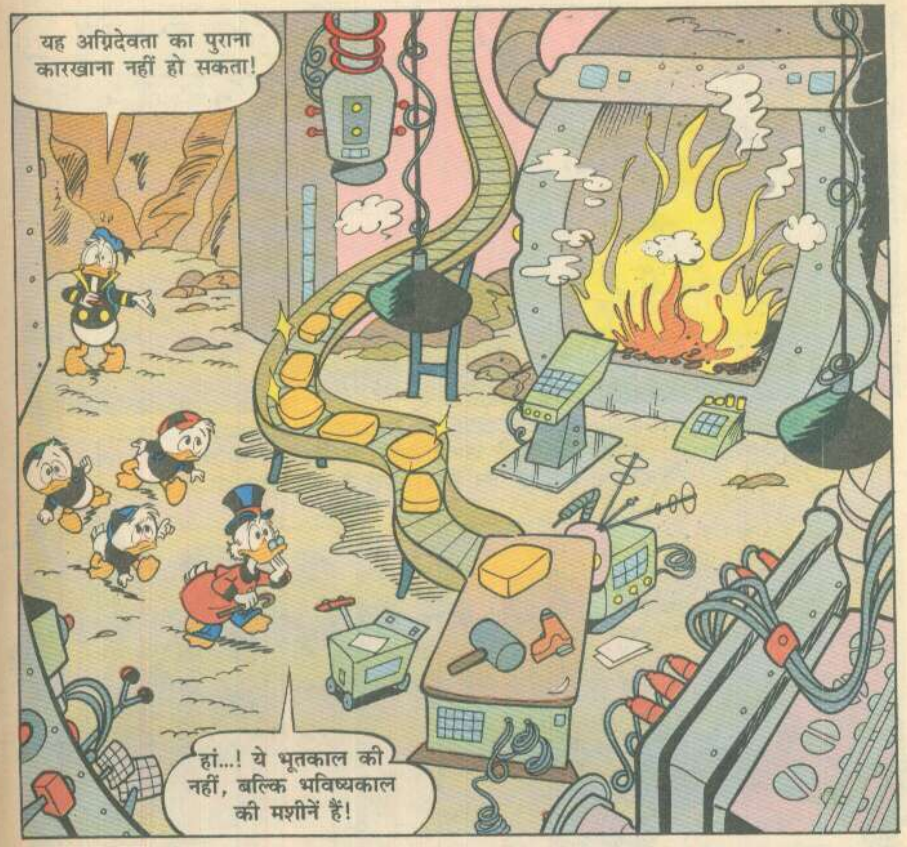
यह अग्निदेवता का पुराना कारखाना नहीं हो सकता!
हां...! ये भूतकाल की नहीं, बल्कि भविष्यकाल की मशीनें हैं!

स्वागत है, अजनबियो!
देखो, ये रहीं... अग्निदेव वल्कन की शुद्ध सोने की नौकरानियां!
और अपने आप चलने वाली मेज भी!
सरर्र!

बिलकुल गलत, पृथ्वीवासी! हमें तो ओलिंपस ग्रह के एक इंजीनियर ने बनाया था!
पृथ्वीवासी? ओलिंपस?

बैठो, हम तुम्हें अपनी कहानी सुनाएं.
?

'हजारों साल पहले कप्तान जियस के नेतृत्व में ओलिंपस ग्रह का एक अंतरिक्ष यान आकाशगंगा के इस हिस्से की छानबीन कर रहा था...'
इस नीचेवाले ग्रह की ओर चलो! उसके बिलकुल पास से गुजरो!
ठीक है, कप्तान!
जूंऽऽऽ!

टूं टूं टूं टूं...
नियंत्रक उपकरण खराब हो गए, कप्तान! क्या करें?
अंतरिक्ष यान पर दोबारा काबू करो, सहायक वल्कन!

'मगर-'
धड़.ऽऽम!

ऊऽऽऽह! बाल-बाल बचे!
उफ!

गर्रर्र! यह हमारे राजा क्रोसस के ब्रह्मांड जीतने के लालच का नतीजा है!

देखिए कप्तान, ज्वालामुखी! किस्मत फिर हमारे साथ है!
भला कैसे!

kissekahani.com

ठीक है, श्रीमान! आगे बाद में बात कर लेंगे.
मेरे साथ काम करने में तुम्हें कोई परेशानी नहीं होगी.

वापस लौटते समय-
एक बात समझ नहीं आयी, अंकल स्क्रूज!
कौन सी बात?

इतने काम की नौकरानियों को वल्कन और जियस अपने साथ वापस क्यों नहीं ले गए?
मैं क्या जानूं? शायद उनके यान में जगह नहीं होगी!

शायद! पर मुझे अजीब लग रहा है! हमें देख कर ये लड़कियां बार-बार हंसती क्यों हैं?
ही-ही-ही!

दौलत के गोदाम में-
अब मैं तुम्हें तुम्हारे काम बता दूं... डाक संभालना, सिक्के चमकाना...
इतनी जल्दी भी क्या है? पहले एक जरूरी बात तो हो जाए.

लीजिए, पहले हमें इतनी रकम चुकाइए!
अरे बाप रे! यह तो बहुत बड़ी रकम है!

मुझे ऐसे मजाक पसंद नहीं! चलो, काम में जुटो!
यह मजाक नहीं है. बहुत गंभीर बात है.

पुराने मालिकों ने हमें वेतन नहीं दिया. वह वेतन हमारा नया मालिक देगा. ओलिंपस ग्रह का यही कानून है.
तो इसलिए वल्कन और जियस इन तीनों को यहां छोड़ गए!
अब समझा!
गर्र्र!

अपनी अक्ल के अलावा वल्कन ने इनमें नौकरों के कानूनी अधिकारों की जानकारी भी भर दी!

'ताकि उन्हें इनके पैसे नहीं देने पड़ें, तभी वह और जियस इन्हें यहीं छोड़ गए.'
तुम भी शोषक हो!
ऊंऽऽऽ!

kissekahani.com

kissekahani.com



# शतरंज

शतरंज घर के भीतर खेले जानेवाले खेलों का राजा कहलाता है. और आज यह घर के भीतर खेला जानेवाला सबसे लोकप्रिय खेल है.

शतरंज का जन्म भारत में ही हुआ था- यही कोई छठी शताब्दी ई. सदी के आसपास. तब इसे चतुरंग के नाम से जाना जाता था. चतुरंग का तात्पर्य उन दिनों की भारतीय सेना के चार अंगों से था- हाथी, ऊंट, घोड़े और पैदल सेना. और ये चारों मोहरे शतरंज में होते हैं.

'चतुरंग' जल्दी ही चीन, कोरिया, जापान और फारस जैसे देशों में भी लोकप्रिय हो गया. अरब के लोगों ने इसका नाम रखा- 'शतरंज'. फारस से इसकी लोकप्रियता पश्चिमी यूरोप और रूस में भी फैली. १९१७ में रूस की क्रांति के बाद साम्यवादी सरकार ने स्कूलों में 'शतरंज' सिखाना अनिवार्य करवा दिया. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शतरंज की दुनिया में सबसे अधिक नाम कमानेवाले खिलाड़ी अगर रूस के हुए हैं तो इसके पीछे एक मुख्य वजह उन्हें स्कूल के जमाने से ही मिलता आ रहा शतरंज का प्रशिक्षण भी है!

## विश्व चैम्पियन

हालांकि शतरंज का खेल लंबे समय से लोकप्रिय था, मगर इसका पहला मैच १८८६ में खेला गया. उसे जीता विलहेल्म स्टीविट्ज ने जो कि अधिकृत रूप से इस खेल के विश्व के पहले चैम्पियन बने. फिर स्टीविट्ज को पराजित किया जर्मनी के खिलाड़ी इमान्युएल लास्कर ने. और फिर लगातार २७ साल तक लास्कर शतरंज के चैम्पियन रहे.

१९४५ में शतरंज के नये कायदे-कानून बनाये गये. और फिर तो १९४५ से लगातार रूसी खिलाड़ी ही शतरंज के चैंपियन बनते गये. यह कीर्तिमान टूटा १९७२ में जब संयुक्त राज्य अमरीका के बॉबी फिशर ने बोरिस स्पास्की को पराजित किया. इस प्रकार नये नियमों के अधीन बॉबी फिशर शतरंज के पहले गैर रूसी चैंपियन बने!

रूस के गैरी कैस्पारोव आज निस्संदेह विश्व के सर्वश्रेष्ठ शतरंज के खिलाड़ी हैं. कई लोगों का खयाल है कि वे शतरंज के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं. हमारे देश के विश्वनाथन आनंद भी विश्व चैंपियन के खिताब के सशक्त दावेदार हैं. और उम्मीद है कि जल्दी ही वे इस खिताब को पाने में सफल रहेंगे.